वर्ष 2015-16 के लिए राइट्स लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा परीक्षित लेखों की समीक्षा

दृष्टिकोण

कई वर्षों से राइट्स, देश में सार्वजनिक क्षेत्र में परिवहन अवसंरचना परामर्शी कंपनियों में एक अग्रणी कंपनी के रूप में, परिवहन एवं अवसंरचना क्षेत्रों जैसे- रेलवे, राजमार्गों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, जलमार्गों, रोपवेज, शहरी परिवहन, शहरी इंजीनियरिंग, कनटेनर डिपो, संस्थागत भवनों तथा रेलवे विद्युतीकरण आदि के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. राइट्स परियोजनाओं के दक्ष तथा आर्थिक कार्यान्वयन के लिए संकल्पना से स्थापना तक बहुआयामी सेवाएं प्रदान करता है.

कंपनी ने यातायात अवसंरचना क्षेत्र में एक ही मंच से विशिष्ट, एकीकृत सेवाएं उपलब्ध कराने तथा लोकोमोटिव्स, कोचों, वैगनों, स्पेयर पार्टस की आपूर्ति के लिए निर्यात पैकेज तथा वर्कशापों के आधुनिकीकरण का कार्य जारी रखा. कंपनी वैगन निर्माण के व्यवसाय में साहसिक कार्य करके अपनी सहायक एवं संयुक्त उद्यमी कंपनियों के माध्यम से अपनी पहुंच का विस्तार कर रही है तथा हरित ऊर्जा सहित बिजली क्षेत्र में संभावित व्यवसायिक अवसरों को विकसित करने के लिए भी योजना बना रही है. कंपनी निपट परामर्शी कार्यों के रूप में 'पूर्ण परिवहन समाधान' उपलब्ध करवाने के मुख्य उद्देश्य के साथ अन्य स्टेक होल्डरों के साथ इक्विटी भागीदारी द्वारा भारत में कैप्टिव रेल प्रणालियों में व्यवसायिक अवसरों का भी खोज रही है. संचालन तथा रखरखाव सहित वेट लीज पर शंटिंग इंजनों को देने के कारोबार को घरेलू गैर-रेलवे ग्राहकों द्वारा स्वीकार किया गया.

विविधीकरण के रूप में (i) राइट्स ने रेलवे ऊर्जा प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आरईएमसीएल) के नाम से भारतीय रेलवे के साथ संयुक्त उद्यम का गठन करते हुए नवीकरण ऊर्जा, द्विपक्षीय खरीद, पॉवर ट्रेडिंग तथा एनर्जी एफिशेंसी आदि परियोजनाओं के क्षेत्र में प्रवेश किया. राइट्स ने 10 माह के रिकॉर्ड समय में जैसलमेर में 26 मैगावॉट विंडमिल की स्थापना की तथा विभिन्न राज्यों में 1200 मैगावॉट के विद्युत प्रापण से संबंधित ठेके भी प्राप्त किए. (ii) राइट्स ने भारतीय रेलवे के मेक-इन इंडिया पहल के तहत राइट्स और सेल के बीच 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में कुल्टी, पश्चिम बंगाल में एक अत्याधुनिक वैगन फैक्टरी की स्थापना का कार्य

संपन्न किया। 1200 वैगन/ प्रतिवर्ष के निर्माण तथा न्यूनतम 300 वैगन/प्रतिवर्ष के पुनर्वास के लिए रेलवे के साथ प्रतिबद्धता करार पर हस्ताक्षर किए गए.

व्यापार कार्य निष्पादन

वर्ष के दौरान, कंपनी ने पिछले वर्ष की कुल टर्नओवर रू. 1166 करोड़ की तुलना में कुल टर्नओवर रू. 1294 करोड़ हासिल की, जो 11 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष के रू. 456 करोड़ के कर पूर्व लाभ की तुलना में रू. 515 करोड़ का कर पूर्व लाभ हुआ जो 13% अधिक है।

वित्तीय मुख्य विशेषताएं

वर्ष 2015-16 और 2014-15 के लिए कंपनी का वित्तीय कार्य निष्पादन निम्न प्रकार से है :

(रूपये करोड़ में)

विवरण	2015-16	2014-15
वित्तीय परिणाम:		
कुल आय	1294	1166
परिचालन टर्नओवर	1087	1015
परिचालन व्यय	779	710
अन्य आय	207	151
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	515	456
आयकर/आस्थगित कर	(176)	(150)
कर पश्चात लाभ (पीएटी)	339	306
विनियोजन:		
अंतरिम लाभांश सहित लाभांश	136	62
लाभांश कर	28	13
सामान्य आरक्षित में अंतरण	175	231

पूंजीगत संरचना

कंपनी की रूपये 150 करोड़ की प्राधिकृत शेयर पूंजी की तुलना में प्रदत्त शेयर पूंजी रूपये 100 करोड़ है तथा कंपनी ने वर्ष के दौरान विचाराधीन कोई इक्विटी शेयर जारी नहीं किए.

लाभांश

निदेशक मंडल ने वर्ष 2015-16 के दौरान भुगतान किए गए 45 करोड़ रूपये के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त रूपये 91.0 करोड़ के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है. वर्ष के लिए कुल दिया जाने वाला लाभांश रूपये 136 करोड़ होगा (अर्थात रूपये 13.6 प्रति शेयर) जो कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी का 136 प्रतिशत है.

आरक्षित

कंपनी के वर्ष 2015-16 के लिए लाभों से विनियोजन द्वारा रू. 175 करोड़ की राशि सामान्य आरक्षितों में अंतरित की जानी प्रस्तावित है. 31 मार्च, 2016 तक आरक्षित एवं अधिशेष में पिछले वर्ष रूपये 1703 करोड़ की तुलना में रूपये 1528 करोड़ की वृद्धि होगी.

प्रौद्योगिकी विलयन

परिवहन के क्षेत्र में प्रमुख परामर्शी संगठन होने के कारण, राइट्स अपने आपको नवीनतम प्रौद्यौगिकी के साथ-साथ बनाए रखा है और न केवल परिवहन के क्षेत्र की जानकारी है बल्कि प्रौद्योगिकी एवं प्रद्यौगिकी नवीनता के क्षेत्र में भी है जिनसे संगठन को इन क्षेत्रें में बेहतर कार्यकुशलता के साथ आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे. इसे प्राप्त करने के लिए कंपनी अपने सॉफ्टवेयर को निरंतर अपडेट करते हुए तथा अपने विशेषज्ञों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमीनारों एवं कांफ्रेंसों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रायोजित तथा प्रेरित करते हुए तथा इंटरनेट पर उपलब्ध सूचना एवं प्रौद्योगिकी अपडेट्स, पत्रिकाओं के अध्ययन द्वारा अपने कारोबार के सभी क्षेत्रों में सर्वोतम एवं नवीनतम प्रौद्योगिकी परिवर्तनों की जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करती है.

विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय

वर्ष के दौरान वास्तविक अंत: प्रवाह/बाह्य प्रवाह के रूप में विदेशी मुद्रा अर्जन और विदेशी मुद्रा व्यय इस प्रकार है:

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान क्रमश: कुल विदेशी मुद्रा अर्जन रू. 233.45 करोड़ (पिछले वर्ष रू. 188.69 करोड़) का तथा विदेशी मुद्रा व्यय रू. 13.43 करोड़ (पिछले वर्ष रू. 13.48 करोड़) का रहा. इसके परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा का सकल अर्जन रू. 220.02 करोड़ (पिछले वर्ष रू. 175.21 करोड़) हुआ।

हिंदी का प्रचार-प्रसार

भारत सरकार (गृह मंत्रलय, राजभाषा विभाग) की राजभाषा नीति एवं रेलवे बोर्ड से समय समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुसार कंपनी के सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के लिए पूरे प्रयास किए गए. वार्षिक रिपोर्ट समझौता ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश और विभिन्न बैठकों के कार्यवृत्त जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज द्विभाषी रूप में तैयार एवं जारी किए गए.

कारपोरेट सामाजिक दायित्व तथा निरंतरता

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व तथा निरंतरता नीति को आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय सस्टेनेबल तरीके से, जो पारदर्शी तथा नैतिक है, संचालित करना हमारी प्रतिबद्धता है. इससे स्टेकहोल्डरों के साथ मिलकर उनकी आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं के निर्धारण में मदद मिलती है. स्टेकहोल्डरों में कर्मचारी, शेयरहोल्डर, निवेशक, ग्राहक, क्लाइंट, कारोबारी सहयोगी, सिविल सोसायटी समूह, केंद्र/राज्य/स्थानीय सरकार, समुदाय, पर्यावरण एवं समग्र रूप में समाज शामिल है. वर्ष 2015-16 के दौरान कुल रू. 8.28 करोड़ खर्च किए गए। समुदाय के बीच राइट्स की स्वच्छ छवि ऊभर कर सामने आई। इन गतिविधियों से उपेक्षित एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को भी लाभ हुआ है।

पुरस्कार

वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी ने अपने निष्पादन के लिए निम्नलिखित पुस्स्कार प्राप्त किए:

क. गैर एमएसएमई श्रेणी में उच्चतम इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात करने पर श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के माननीय राष्ट्रपति जी से एफआईईओ की निर्यात श्री गोल्ड ट्रॉफी प्राप्त की. 41 पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में से राइट्स एक मात्र पीएसयू था।

ख. सार्वजनिक क्षेत्रें की सेवाएं (मध्यम) की श्रेणी में केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड के अध्यक्ष श्री नजिब शॉ से उत्कृष्ट लागत प्रबंधन 2015 के लिए 13वां राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया.

ग. रूपये 342 करोड़ की विदेशी मुद्रा उपार्जन हेतु वाणिज्यक श्रेणी में वर्ष 2012-13 के लिए ईईपीसी इंडिया, उत्तरी क्षेत्र द्वारा राइट्स ने उच्च निर्यातक पुरस्कर, ईईपीसी गोल्ड टॉफी प्राप्त किया.

घ. केंद्रीय क्षेत्र के उद्रयमों में इंडिया टुडे **-एमडीआरए बेस्ट परफार्मिंग कंपनी तथा ग्लोबल प्रैसेंस पुरस्कार-2015**

ड़. **'गर्वनेंस नाऊ' से उत्कृष्ट पीएसयू पुरस्कार 2015.**